शिक्षा का भावी स्वरूप : ऑनलाइन लर्निंग

सुशील कुमार
शोधार्थी देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इन्दौर, मध्यप्रदेश
Email: sushilkr_786@gmail.com

सारांश- *21वीं षताब्दी तकनीकी दृष्टिकोण से बहुत प्रभावशाली सिद्ध हो रही है। यह हर उस चीज का स्वागत कर रही है जो तकनीक के विकास में सहायक है। इसका सबसे ताज़ा उदाहरण है ई–लर्निंग। आज से कुछ साल पहले षायद यह अंदाजा भी नहीं लगाया जा सकता था कि तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में भी इतनी क्रांति आ सकती है लेकिन यह संभव हुआ और आज ई–लर्निंग का जिस प्रकार तेजी से विस्तार हो रहा है वह हम सबके सामने है। वर्तमान पाठ्यक्रम की परम्परागत अवधारणा का स्थान विस्तृत खुला ऑनलाइन पाठ्यक्रम ने ले लिया है। विस्तृत खुला ऑनलाइन पाठ्यक्रम एक ऐसा ऑनलाइन वेबसाइट कोर्स है जिसका कोई भी छात्र कभी भी, किसी भी समय विश्व के किसी भी कोने में सुगमतापूर्ण प्रवेश कर सकता है। यह राष्ट्र विकास की धारा में बहुत बड़ा योगदान प्रदान कर रहा है। हालांकि भारत में ऑनलाइन लर्निंग में तकनीकी एवं आर्थिक रूप से कई समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। इसके आने से पारम्परिक शिक्षा की गुणवत्ता पर प्रभाव पड़ रहा है फिर भी ऑनलाइन लर्निंग आज के युग के लिये शिक्षा प्रसार का बेहतर व कारगर विकल्प है।*

वर्तमान समय में वैश्वीकरण के कारणा विश्व एक छोटे से ग्राम में बदल गया है। ऐसे समय में समय के साथ कदम ताल मिलकर चलना एक नितान्त आवश्यक है। विश्व में शिक्षा एक मात्र ऐसा माध्यम है जिसकी सहायता से सभी लोग एक मंच पर आ सकते हैं। वर्चुअल क्लासरूम का इस संदर्भ में महत्व सर्वाधिक है। सूचना एवं सम्प्रेषण तकनीकी ने जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में प्रवेश कर उसमें कई परिवर्तन किए है। इसके अतिरिक्त सूचना एवं सम्प्रेषण तकनीक निरन्तर विकसित एवं परिवर्धित होकर नवीन प्रवृत्तियों को जन्म दे रही है। पठन पाठन में अपनी सकारात्मक भूमिका निभाते हुए ऑनलाइन एज्यूकेशन एवं लर्निंग आधुनिक शिक्षा एवं तकनीकी शिक्षा के तौर तरीके अपनाने का बेहद लोकप्रिय व एकमात्र माध्यम है। विदेशों में ऑनलाइन लर्निंग कन्सेप्ट बेहद लोकप्रिय है, क्योंकि इससे पाठकों को नित–नये अध्याय व ज्ञान सीखने को मिल जाता है। आधुनिक युग में ऑनलाइन लर्निंग छात्रों की बढ़ती संख्या को देखते हुए उत्तम तरीके से शिक्षण अधिगम की परिस्थितियाँ उत्पन्न करके ज्ञान के संचार प्रवाह में यह एक प्रभावशाली माध्यम माना जा रहा है। आज के व्यवस्थित युग में कम्प्यूटर सहायक सामग्री के रूप में चलाने हेतु यह संजीवनी बूटी का कार्य कर रहा है। प्राचीन युग में मानव जीवन आधुनिक युग से सर्वथा भिन्न था। आज के युग में आवश्यकताएँ भी भिन्न है और उनकी पूर्ति के लिए आयाम भी भिन्न है। अतः आधुनिक परिप्रेक्ष्य की शैक्षिक प्रणाली में उपलब्ध शिक्षा के मात्रात्मक वृद्धि और गुणवत्तापूर्ण होने के लिए पाठ्यचर्या निर्माता एवं शिक्षकों के लिए आवश्यक है कि वे सभी नवाचारात्मक प्रयोगों, मीडिया सामग्री के निर्माण एवं अंतः क्रियात्मक दृश्य, मल्टीमीडिया, ई–लर्निंग को शैक्षिक उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए अनिवार्यतः अपनाये। आज प्रत्येक जगह विज्ञान के ज्ञान का उपयोग किया जाता है। शिक्षा के क्षेत्र में सूचना प्रौद्योगिकी का उपयोग बढ़ता जा रहा है। 21वीं षताब्दी तकनीकी दृष्टिकोण से बहुत प्रभावषाली सिद्ध हो रही है। यह हर उस चीज का स्वागत कर रही है जो तकनीकी के विकास में सहायक है। इसका सबसे ताज़ा उदाहरण है ऑनलाइन लर्निंग । आज से कुछ साल पहले षायद यह अंदाजा भी नहीं लगाया जा सकता था कि तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में भी इतनी

क्रांति आ सकती है लेकिन यह संभव हुआ और आज ऑनलाइन लर्निंग का जिस प्रकार तेजी से विस्तार हो रहा है वह हम सबके सामने है ।

आई.सी.टी. तकनीक ने जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में प्रवेश कर कई परिवर्तन किए है। आई.सी.टी. भी निरन्तर विकसित एवं परिवर्धित होकर नवीन प्रवृत्तियों को जन्म दे रहा है। वर्तमान पाठ्यक्रम की परम्परागत अवधारणा का स्थान विस्तृत खुला ऑनलाइन पाठ्यक्रम ने ले लिया है ।

विस्तृत खुला ऑनलाइन पाठ्यक्रम एक ऐसा ऑनलाइन वेबसाइट कोर्स है जिसका कोई भी छात्र कभी भी, किसी भी समय विश्व के किसी भी कोने में सुगमतापूर्ण प्रवेश कर सकता है। भारत में भी "गुरूकुल ऑन लाईन लर्निंग सोल्यूशन" जैसे पोर्टल्स ने ई–लर्निंग के साथ ऑन लाइन एज्यूकेशन की अवधारणा को प्रस्तुत किया है। इसे टीचरजी डॉट कॉम भी कहा जाता है जो कि लाइव ऑन लाइन ट्यूटोरियल सेवा है। इसी के साथ गणित, इन्जिनियरिंग इन्जिनियरिंग विषय के सम्बन्ध में Code Academy, Platform Engineering Everyhere प्रमुख पोर्टल है। व्यावसायिक शिक्षा में 360 जतंपदपदहण्बवउ एक ऐसा ऑनलाइन ई–लर्निंग साधन है जो कि व्यावसायिक शिक्षा सम्बन्धी जानकारी प्रदान करता है। शिक्षा के सभी स्तरों पर ऑनलाइन लर्निंग परिचित की सार्वभौमिकता को पुस्तकालय के क्षेत्र भी भी देखा जा सकता है। इस क्षेत्र में ऑन लाइन रिसोर्स शेयरिंग का काम किया जाता है।

ऑनलाइन शिक्षा के तत्व

1) **पाठ्यक्रम का विकास :** पाठ्यक्रम के विकास हेतु विशेषज्ञों का दल, विषय विशेषज्ञ, शिक्षाविद एवं प्रशिक्षण का सम्मिलित प्रयास कारगर सिद्ध हो सकता है। क्रमबद्ध नियोजित पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को एवं पाठकों को कम समय में अधिक सूचनायें प्रदान करता है।
2) **लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम :–** इस हेतु स्टॉफ कर्मचारी/प्रशिक्षकों से प्रशिक्षण उपलब्ध करवाया जाता है।
3) डिजिटल लाइब्रेरी लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम पूरी तरह से ऑनलाइन सिस्टम पर आधारित होता है। वर्तमान में इलेक्ट्रॉनिकल गेटवे है जिनके अपने निर्धारित नियम होते हैं। जिनके माध्यम से इलेक्ट्रॉनिक जर्नरल, पत्र–पत्रिकाऐं, प्रकाशन व सूचनाओं का सार्वजनिक रूप से उपयोग किया जा सकता हैं।
4) **लर्नर्स सर्विसेज :–** ऑनलाइन लर्निंग में सबसे अधिक महत्वपूर्ण पाठ्यक्रम और अधिगमकर्त्ता होता है। अधिगमकर्त्ता को बेहतर और समय पर सेवायें प्रदान कर इस तकनीक का उत्कृष्ट उपयोग किया जा सकता है। यह सर्वविदित है कि उपभोक्ता यूजर की स्वीकार्यता ही तंत्र की सफलता का द्योतक है।

ऑनलाइन शिक्षण एवं अधिगम के साथ समन्वय

इलेक्ट्रॉनिक आधार परस्पर सहयोग के कई अवसर प्रदान करता है। जैसे पारम्परिक कार्यशाला एवं पाठ्यक्रम में प्रस्तुति व्यक्ति के द्वारा प्रदान की जाती है तथा विशेषज्ञ द्वारा स्वयं स्थान पर जाकर देने की बाध्यता होती है। इसके साथ ही स्रोतों के पास भी निश्चित समय की बाध्यता होती है एवं दोहरान भी सम्यक नहीं होता है। वीडियो कॉनफ्रेंसिंग इसका प्रमुख उदाहरण है। इस तकनीक का प्रयोग करके विद्यार्थी विश्व के किसी भी स्थान पर साक्षात्कार में भाग ले सकते हैं। अध्यापक संस्थान से बाहर होते हुए भी इस तकनीक का प्रयोग करके विद्यार्थियों से सम्पर्क स्थापित कर सकते हैं। इस तकनीक के माध्यम से विश्व के किसी भी स्थान से अध्यापकों के मध्य सम्प्रेषण अथवा संगोष्ठी का आयोजन किया जा सकता है। ई–ट्यूटर द्वारा विद्यार्थियों को कुशलतापूर्वक शिक्षा प्रदान की जा सकती है।

उपसंहार

ऑनलाइन लर्निंग आज की बदलती दुनिया और सूचना प्रौद्योगिकी के युग में महत्वपूर्ण पहलू है। ऑनलाइन लर्निंग से वर्तमान में काम–काजी, घर बैठे पाठक एवं विद्यार्थी उच्च एवं व्यावसायिक शिक्षा को सहज रूप से प्राप्त कर रहे हैं। यह राष्ट्र विकास की धारा में बहुत बड़ा योगदान प्रदान कर रहा है। हालांकि भारत में ऑनलाइन लर्निंग में तकनीकी एवं आर्थिक रूप से कई समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। इसके आने से पारम्परिक शिक्षा की गुणवत्ता पर प्रभाव पड़ रहा है फिर भी ऑनलाइन लर्निंग आज के युग के लिये शिक्षा प्रसार का बेहतर व कारगर विकल्प है। शिक्षा के क्षेत्र में ऑनलाइन लर्निंग ने जहाँ एक ओर समय व श्रम की बचत होती हैं वहीं दूसरी और छात्रों की रूचि जाग्रत और विकसित करने में भी सहायता मिलती है एवं उपयोगी नवाचारों का सृजन किया जा सकता है।

भारत में ऑनलाइन एजुकेषन का भविष्य उज्ज्वल है। अब ज्यादा से ज्यादा शिक्षण संस्थान इनको अपना रहे हैं। कारण साफ है यह बच्चों को नवीनतम शिक्षा उच्चस्तरीय तकनीक के साथ प्रदान कर रहे हैं और छात्र भी इस नई तकनीकी को काफी पसंद कर रहे हैं। यह तकनीक अब सहज उपलब्ध हो रही है और आज का युवा जो कि तकनीक को बहुत जल्दी और आसानी से समझ लेने में सक्षम है उसके लिए यह काफी लाभकारी भी है। एक रिपोर्ट के अनुसार भारत का एजुकेशन सेक्टर 2015 के अंत तक 50 बिलियन यूएस डॉलर का हो जाएगा। यह 14 प्रतिशत की तेजी से बढ़ रहा है। लेकिन अभी हम यह नहीं कर सकते कि यह सेक्टर पूरी तरह से मैच्योर हो चुका है। अभी भी इस दिशा में बहुत कुद करना बाकी है और जिस प्रकार इस क्षेत्र में विशेषज्ञों की संख्या बढ़ रही है उससे भविष्य में और प्रगति के संकेत भी मिल रहे हैं।

"आधुनिक युग का ये संसार, जहाँ ई–लर्निंग है इसका आधार।
जन–जन तक पहुंच हर संवाद, प्रयोग इनका दे शिक्षा को आकार।"

lanHkZ

https://www.mygov.in

https://shalasugam.com

https://rajshaladarpan.nic.in

https://education.rajasthan.gov.in